[Shri Ram Niwas Mirdha]

banning meetings, processions, carrying of lethal weapons, etc. Arrangements to maintain peace and order in the area have been strengthened and patrolling of the area has also been introduced.

MR. SPEAKER: The next item also stands in your name.

13.33 hrs.

STATEMENT RE. ARREST OF STUDENTS IN DELHI

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHR RAM NIWAS MIRDHA): A reference was made in this House to the arrest of 210 students near Parliament House on 11-3-1974 at about 5 30 P.M.

We have since looked into the matter. The students had voluntarily courted arrest under Section 188 IPC by walking into the area where prohibitory orders under Section 144 Cr. P. C. were in force.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): This is not a violation of the law.

SHRI RAM NIWAS MIRDHA: They have been tried by a Judicial Court and sentenced to seven days' simple imprisonment each.... (*Interruptions*) except one who was released under the Probation of First Offenders Act. It was not considered proper or feasible for Government to interfere with the judicial processes.

SHRI P. G. MAVALANKAR (Ahmedabad): You call them for a dialogue and arrest them?

SHRI RAM NIWAS MIRDHA: However, the Delhi Administration has been directed to ensure that the students in jail receive a humane and sympathetic treatment.... (*Interruptions*) and appropriate facilities We are informed that the Delhi Administration have granted them classification 'B' as prisoners.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (Gwalior): Why not release them?

13.34 hrs.

MATTER UNDER RULE 377

WORK-TO-RULE AGITATION BY RAILWAY GUARDS

श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा) :मान्यवर, अभी जो भारतीय रेलवे में गार्डों द्वारा वर्क टू रूल पद्धति अपनाई जा रही है और जिस के कारण देश मे सैकडों गाड़िया रद्द है, बहुत सी गुड्‌स ट्रेन्स बन्द है, उन की ओर मैंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं : मान्यवर दुख की बात है कि पूरे रेल और तेल, दो की समस्या छा गई है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) और जेल।

श्री शंकर दयाल सिंह : तो मै मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहना चाहता हूँ कि भारतीय रेलवे मे गार्ड और टिकट चैंकिग स्टाफ ऐसे है जो कि रात दिन काम में संलग्न रहते हैं और बिना उन के गाड़ी का पहिया नही चल सकता है : फिर भी भारतीय रेलवे ने और खास कर मंत्री जी द्वारा इस पर ध्यान नही दिया गया और इसीलिए मजबूर हो कर के गार्डों कों वर्क ट रूल की पद्धति अपनानी पड़ीं।

13.34 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

मै मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि विगत 4, 5 दिनों में इस पद्धति को अपनाने से भारतीय रेलवे को जो क्षति हुई है वह कितने की हुई है और कब तक यह क्षति चलती रहेगी, कब तक गाड़ियां बन्द रहेंगी और देर से चलती रहेंगी ? 'टाइम्स आफ इण्डिया' कोट करते

हुए कहना चाहता हूँ कि साउथ इस्टर्न रेलवे में सब से खराब स्थिति है और 24 घंटे के अन्दर 100 से अधिक गुड्स ट्रेन्स कैंसिल की गईं। साथ ही यह भी सूचना मिली है कि रेलवे के पास दो दिन से अधिक का कोयला नही है और अगर वर्क टु रूल जारी रहा तो और भी गाडिया बन्द हो जायेगी। इस स्थिति को सामने रखते हुए मै मंत्री जी से चाहूँगा कि वह स्थिति को स्पष्ट करते हुए अपना एक वक्तव्य दें।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उपाध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि रेल मंत्री को बोलने के लिये आप बुलाये, मै एक बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ। सदन की यह परम्परा रही है कि जब पार्लियामेंट की बैठक चल रही हो और कोई रेलवे दुर्घटना हो जाए, जिसमें काफ़ी व्यक्ति मारे जाये तो मंत्री महोदय को स्वयं सदन के सामने आ कर उस बारे मे वक्तव्य देना चाहिए। लेकिन खेद की बात है कि 9 तारीख को ग्वालियर के निकट एक रेल दुर्घटना हुई जिसमे पांच लोग मारे गये और 44 व्यक्ति घायल हुए। घायल होने वालो में मध्य प्रदेश के आर्म्ड फोर्स के लोग भी है। यह कहा जाता है रिपोर्ट के अनुसार कि डिब्बे पटरी से उतर गये। उसके बारे में सदन मे कोई बयान नही दिया गया है। ऐसा लगता है कि यह नेरो गेज है इसलिये उसकी चिन्ता नही की जाती है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: In the course of your speech you can say.

रेल मंत्री (श्री एल० एन० मिश्र) : तथ्य हमारे पास नही थे। लेकिन अब वह प्राप्त हो गये है और मेरे साथी इस पर वक्तव्य देंगे।

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, एक ट्रेड यूनियन लीडर श्री सदानन्द झा का 11 तारीख को गोभो मे मर्डर किया गया है। वह रेलवे का ट्रेड यूनियन लीडर था। अगर सरकार को कुछ मालूम हो कि क्यों मर्डर किया गया है और दिन में मर्डर किया गया है, तो मै चाहूँगा कि मंत्री जी यह बात जरूर बताये। और नही तो जानकारी हासिल करके बताये। मेरा खयाल है कि रेलवे आफिसर्स भी मर्डर मे शामिल है, ऐसा मेरा सदेह है।

13.35 hrs.

RAILWAY BUDGET 1974-75 GENERAL DISCUSSION—*contd.*

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI L. N. MISHRA): As I have pointed out yesterday, I am really very much grateful to the hon. Members who have participated in the discussion on the general budget of the Railways. Number of valuable suggestions have been made and I am especially grateful to those Members who have been good enough to support the proposals contained in the Budget. About 53 hon. Members have participated in the Debate and I am glad to say that out of them 32 have extended their support to the Budget proposals. The Debate has been very constructive on the whole and very helpful

The main point is on the question of the freight and fares. There are two points of consideration which have got a vital bearing on this aspect. In view of the difficulties of the common man we wanted to keep the burden of the common man as less as possible. And, we wanted to get some more resources from the affluent section of the society. This has been the guiding principle in the matter of fixation of fares and freights. There will be 25 million tonnes of additional goods to be transported and there will be an increase of 3 per cent on passenger fares. The deficit now is something in the neighbourhood of about Rs 99 75 crores and this will go up to Rs. 189.1 crores and therefore we had no escape but to take recourse to increase in the freight and also in the fares. We could not have transferred to General